पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र : राज्यपाल

बाबा साहब के जीवन दर्शन को अपनाकर ही श्रेष्ठ भारत का निर्माण किया जा सकता है

बाबा साहब डॉ0 बी0आर0 आंबेडकर का जीवन हम सभी के लिए प्रेरक : मुख्यमंत्री

केन्द्र सरकार डॉ0 आंबेडकर से जुड़े 05 स्थलों को 'पंच–तीर्थ' के रूप में विकसित कर रही है

गरीबों, दलितों व वंचितों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना हमारी सरकार की प्राथमिकता

जिन लोगों को शासन की सुविधाओं से वंचित रखा गया है, उन्हें वास्तविक लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से एक कमीशन गठित किया जाएगा

हमारी सरकार ने कार्यभार ग्रहण करते ही अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के 21 लाख लोगों को स्कॉलरशिप देने का काम किया

हमने अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के स्कॉलरशिप प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या को 21 लाख से बढ़ाकर 23 लाख किया

कक्षा 09 व 10 के लिए आय सीमा को 02 लाख रु0 से बढ़ाकर 2.5 लाख रु0 किया

50 हजार अतिरिक्त अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को मिलने वाली छात्रवृत्ति की धनराशि 2250 रु0 से बढ़ाकर 03 हजार रु0 की गई

चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कृषि, प्रबन्धन, स्नातक एवं परास्नातक का पाठ्यक्रम कर रहे डे–स्कॉलर्स को 550 रु0 और हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थी को 1200 रु0 दिए जाएंगे

एम0ए0, एम0एस0सी0, एम0कॉम0, एल0एल0बी0, पैरामेडिकल, एम0फार्मा के डिग्री व डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु डे–स्कॉलर्स को 530 रु0 व हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थी को 820 रु0 दिए जाएंगे

समूह–1 व 2 से आच्छादित न होने वाले समस्त स्नातक डिग्री धारक बी0ए0, बी0एस0सी0, बी0कॉम के डे–स्कॉलर को 300 रु0 तथा हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थी को 570 रु0 अतिरिक्त दिए जाएंगे

पॉलीटेक्निक डिप्लोमा, जिनकी योग्यता कम से कम हाईस्कूल तक हो, उन डे–स्कॉलर्स को 230 रु0 व हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों को 380 रु0 दिए जाएंगे

अनुसूचित जाति व जनजाति के बी0पी0एल0 परिवारों की बालिकाओं की शादी–विवाह के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना लागू की गई

अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लोगों को उचित व समय पर न्याय दिलाना सरकार की प्राथमिकता

25 नये कोर्ट गठित करने का सरकार का निर्णय

मुख्यमंत्री को दलित मित्र सम्मान से विभूषित किया गया

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने तथागत बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा डॉ0 आंबेडकर के अस्थि कलश पर पुष्पांजलि अर्पित की

इस मौके पर एक स्मारिका व बुद्ध कैलेण्डर का विमोचन भी किया गया

राज्यपाल और मुख्यमंत्री डॉ0 आंबेडकर जयंती पर डॉ0 आंबेडकर महासभा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए

लखनऊ : 14 अप्रैल, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक जी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इस लोकतंत्र की नींव अर्थात् देश का संविधान बाबा साहब डॉ0 बी0आर0 आंबेडकर की देन है। बाबा साहब ने भारतीयों के मन में यह आत्मविश्वास जगाया कि किसी भी हालत में संघर्ष और शिक्षा के बल पर आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि संविधान केवल पूजा के लिए नहीं है, बल्कि इसे व्यवहार में भी लाया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम बाबा साहब के जीवन दर्शन को अपनाकर एक श्रेष्ठ भारत का निर्माण करें, क्योंकि देश को कहां ले जाना है, इसका कर्तव्यबोध हमें होना चाहिए।

राज्यपाल जी आज यहां बाबा साहब डॉ0 बी0आर0 आंबेडकर महासभा में डॉ0 आंबेडकर की 127वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि बाबा साहब डॉ0 बी0आर0 आंबेडकर का जीवन हम सभी के लिए प्रेरक है। उन्होंने विषम परिस्थितियों में न केवल उच्चतम शिक्षा हासिल की, बल्कि लोगों को न्याय दिलाने के लिए भी आगे आए। उनका मानना था कि सामाजिक व आर्थिक विषमता को दूर कर ही सच्ची स्वाधीनता पायी जा सकती है। इसके लिए उन्होंने शिक्षा को प्रमुख हथियार माना।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डॉ0 आंबेडकर को उचित सम्मान दिलाने में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का महत्वपूर्ण योगदान है। जहां एक ओर प्रधानमंत्री जी बाबा साहब डॉ0 आंबेडकर से जुड़े स्थलों को विकसित कर उनके दर्शन से वर्तमान एवं भावी पीढ़ी को जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर डॉ0 आंबेडकर की सोच के अनुरूप विकास कार्यों को भी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी जिन गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा प्राप्त नहीं था और उन्हें वोट देने का भी अधिकार नहीं था,

उन्हें हमारी सरकार ने यह अधिकार प्रदान करने का काम किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बाबा साहब के चित्र को सभी सरकारी कार्यालयों में लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

योगी जी ने कहा कि केन्द्र सरकार डॉ0 आंबेडकर से जुड़े 05 स्थलों को 'पंच–तीर्थ' के रूप में विकसित कर रही है। इनमें मध्य प्रदेश स्थित उनका जन्म स्थान महू छावनी तथा लंदन का वह घर, जहां ब्रिटेन में रहते हुए उन्होंने अपनी पढ़ाई की, सम्मिलित हैं। साथ ही, नागपुर में दीक्षा भूमि, दिल्ली स्थित महापरिनिर्वाण स्थल तथा मुम्बई में चैत्य–भूमि का भी विकास किया जा रहा है। इसके अलावा गत वर्ष दिसम्बर में प्रधानमंत्री जी द्वारा नई दिल्ली में डॉ0 बी0आर0 आंबेडकर अंतराष्ट्रीय केन्द्र राष्ट्र को समर्पित किया गया। निश्चित रूप से 'पंच–तीर्थ' स्थलों के विकास से अधिक से अधिक लोगों और विशेष तौर पर युवाओं को बाबा साहब डॉ0 आंबेडकर की दृष्टि एवं विचारों को जानने एवं समझने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गरीबों, दलितों व वंचितों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिन्हें शासन की सुविधाओं से वंचित रखा गया है, उन्हें वास्तविक लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से एक कमीशन गठित किया जाएगा। कमीशन यह देखेगा कि वंचित लोगों को शासन की सुविधाओं का लाभ कैसे उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप देने में काफी शिथिलता बरती थी। वहीं हमारी सरकार ने कार्यभार ग्रहण करते ही अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के 21 लाख लोगों को स्कॉलरशिप देने का काम किया।

योगी जी ने कहा कि अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की पहली किश्त 02 अक्टूबर, 2018 व दूसरी किश्त 26 जनवरी, 2019 को उनके बैंक खाते में उपलब्ध करा दी जाएगी। इस वर्ष हमने अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के स्कॉलरशिप प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या को 21 लाख से बढ़ाकर 23 लाख किया है। इसमें कक्षा 09 व 10 के लिए आय सीमा को 02 लाख रुपए से बढ़ाकर ढाई लाख रुपए किया गया है। इसके साथ ही, इस योजना में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के 50 हजार अतिरिक्त विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा। इन्हें मिलने वाली छात्रवृत्ति की धनराशि 2250 रुपए से बढ़ाकर 03 हजार रुपए की गई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दशमोत्तर छात्रवृत्ति में अनुसूचित जाति के लगभग 50 हजार विद्यार्थियों व अनुसूचित जनजाति के 500 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक डे–स्कॉलर को जो चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कृषि, प्रबन्धन, स्नातक एवं परास्नातक का पाठ्यक्रम कर रहे हैं, उन्हें डे–स्कॉलर के रूप में 550 रुपए और जो विद्यार्थी हॉस्टल में रहते हैं, उन्हें 1200 रुपए मिलेंगे। एम0ए0, एम0एस0सी0, एम0कॉम0, एल0एल0बी0, पैरामेडिकल, एम0फार्मा के डिग्री व डिप्लोमा

पाठ्यक्रम हेतु डे–स्कॉलर को 530 रुपए व हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थी को 820 रुपए दिए जाएंगे।

योगी जी ने कहा कि समूह–1 व 2 से आच्छादित न होने वाले समस्त अनुसूचित जाति/जनजाति के स्नातक डिग्री हेतु बी0ए0, बी0एस0सी0, बी0कॉम के डे–स्कॉलर को 300 रुपए तथा हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थी को 570 रुपए अतिरिक्त दिए जाएंगे। पॉलीटेक्निक डिप्लोमा, जिनकी योग्यता कम से कम हाईस्कूल तक हो, उन डे–स्कॉलर्स को 230 रुपए व हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों को 380 रुपए दिए जाएंगे। इसमें अनुसूचित जाति के 50 हजार व अनुसूचित जनजाति के 500 विद्यार्थियों को भी इस योजना से लाभान्वित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में गरीब परिवारों की बालिकाओं के विवाह हेतु मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना लागू की गई है। इस योजना से अनुसूचित जाति की 07 हजार बालिकाओं व अनुसूचित जनजाति की 200 बालिकाओं को लाभ मिला है। इस योजना के तहत राज्य सरकार प्रति लाभार्थी को 35 हजार रुपए उपलब्ध कराने का काम कर रही है। इस हेतु इस वित्तीय वर्ष में 250 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है।

योगी जी ने कहा कि अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लोगों को उचित व समय पर न्याय मिले, यह सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 में जो मामले दर्ज होते हैं, उनका त्वरित निस्तारण हो व दोषियों को सजा मिले। लेकिन कोर्ट की संख्या कम होने के कारण उन्हें न्याय नहीं मिल पाता था, इसलिए हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि 25 नये कोर्ट गठित किए जाएंगे।

कार्यक्रम को बाबा साहब डॉ0 बी0आर0 आंबेडकर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालजी प्रसाद निर्मल ने भी सम्बोधित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री जी को दलित मित्र सम्मान से विभूषित किया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल व मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले 09 महानुभावों को भी सम्मानित किया।

कार्यक्रम से पूर्व, राज्यपाल व मुख्यमंत्री जी ने डॉ0 आंबेडकर महासभा परिसर में स्थापित तथागत बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा डॉ0 आंबेडकर के अस्थि कलश पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इस मौके पर एक स्मारिका व बुद्ध कैलेण्डर का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा, ग्राम्य विकास राज्य मंत्री डॉ0 महेन्द्र सिंह, अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्री बलदेव ओलख सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

———————